Madhyanchal Epaper 07 Februar

epaper.naidunia.com/epaper/06-feb-2022-55-madhyanchal-edition-madhyanchal-page-13.html

आयोजन खनियांधाना में आयोजित जागरूकता में केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना व लोअर ऊर परियोजना से होने वाले लाभ बताए

246 गांवों को मिलेगा केन-बेतवा परियोजना का लाभ, डूब क्षेत्र में आएंगे 12 गांव

खनियांधाना (नईदुनिया न्यूज)। केन-बेतवा लिंक परियोजना से मध्यप्रदेश के छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना, सागर, दमोह, दतिया के साथ शिवपुरी को भी विशेष लाभ मिलेगा। यह परियोजना शिवपुरी के खनियांधाना, पिछोर और करैरा तहसील के गांवों में सिंचाई के साथ पेयजल आपूर्ति में अहम भूमिका निभाएगी। शनिवार को राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण, जल शक्ति मंत्रालय केंद्र सरकार द्वारा केन-बेतवा लिंक परियोजना पर खनियांधाना में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अधिकारियों ने इस योजना से जिले को मिलने वाले लाभों और इसकी कार्ययोजना की जानकारी साझा की। एसडीएम पिछोर जेपी गुप्ता ने कार्यक्रम की शुरुआत की। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण झांसी से आए इंजी. राजवेंद्र कुमार गुप्ता ने केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना एवं लोअर ऊर परियोजना से क्षेत्र में होने वाले लाभ से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इंजीनियर तो मात्र योजना बनाकर निर्माण करा सकते है परन्तु परियोजना का इष्टतम लाभ प्राप्त करने में प्रशासनिक अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों एवं मीडिया की भूमिका अहम रहती है।

कार्यक्रम की शुरुआत करते विभिन्न विभागों के अधिकारीगण। • नईदुनिया

लोअर ऊर परियोजना के अंतर्गत गांव दिदावनी, तहसील खनियांधाना में ऊर नदी पर 43 मीटर ऊंचा कंक्रीट बांध प्रस्तावित है। इस परियोजना के पूरा होने पर क्षेत्र की 110500 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। शिवपुरी जिले के 246 गांवों को लाभ होगा। जिसमे शिवपुरी जिले की पिछोर तहसील के 88 गांव, खनियांधाना तहसील के 104 गांव व करैरा तहसील के 54 गांव लाभांवित होंगे। इस परियोजना का डुब क्षेत्र 2723.7 है एवं क्षेत्र प्रभावित गांवों की संख्या 12 है। कार्यपालन यंत्री आरपी गुप्ता ने बताया कि केन बेतवा देश की 30 नदियों को जोड़ने के लिए शुरू की गई नदी जोड़ों परियोजना में से एक है। इसका मुख्य उद्देश्य सूखा ग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र में जलसंसाधन सुविधा और पीने के लिए जल उपलब्ध करना है। आठ साल में पूरी होने वाली इस परियोजना की लागत 44 हजार 605 करोड़ रुपये है जिसमें से 60% राशि केंद्र सरकार वहन करेगी और 30 फीसद राशि लोन के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। शेष राशि मप्र व उप्र की सरकार वहन करेंगी। कार्यक्रम में एसके अग्रवाल कार्यपालन यंत्री, पंकज कुमार सेंगर परियोजना प्रशासक लोअर और परियोजना, हरिराम यादव सीएमओ खनियांधाना, जगत सिंह लोधी सरपंच हर्षपुरा, अवधेश कुमारी सरपंच गुड़ा के प्रतिनिधि, जगदीश बुंदेला सरपंच गोलाकोट के प्रतिनिधि, मनीराम यादव, बुन्देल यादव, धर्मपुरा, देवदास लोधी, कुंडेली, संतोष शर्मा, अनिल पांडे, गणेश सोनी, वृजेंद्र चौबे, मयंक सिंघई, सुरेंद्र पांडेय, दिनेश झा, मुकेश प्रजापति एवं भरत साहू आदि मौजूद रहे।

सुनिश्चित होगी स्थायी आजीविका, कम होगी भू जल पर निर्भरता: अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना से किसानों की आत्महत्या की दर पर अंकुश लगेगा और सिंचाई के स्थायी साधन प्रदान करके भूजल पर अत्यधिक निर्भरता को कम करके उनके स्थायी आजीविका सुनिश्चित होगी। इस परियोजना के प्रथम चरण में केन नदी पर दोधन गांव के समीप 77 मीटर ऊंचे बांध का निर्माण कर एक 221 किमी लंबाई की नहर का निर्माण करना प्रस्तावित है। नहर के निर्माण कार्य पूर्ण होने पर इस परियोजना से 9.08 लाख भूमि सिंचित हो सकेगी और 194 एमसीएम पीने के पानी की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी। 103 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। साथ ही 27 मेगावाट सोलर पावर का उत्पादन होगा।

चार साल पहले मिल चुका है अनुमोदन, 66.64 किमी लंबी नहर बनेगी: परियोजना का प्रशासनिक अनुमोदन लोअर और परियोजना का बांध स्थल शिवपुरी जिले के खनियांधाना तहसील के दिदावनी ने गांव के पास स्थित है। मध्य प्रदेश सरकार जल संसाधन विभाग द्वारा दबाव पाइप प्रणाली के साथ 90000 हेक्टेयर की सिंचाई के लिए 2017-18 मूल्य स्तर पर 2657.04 करोड़ रुपए की राशि का अनुमोदन मिल चुका है। लोअर और परियोजना का जल संग्रहण क्षेत्र 1843 वर्ग किलोमीटर है। इस परियोजना के अंतर्गत 66.64 किमी केरियर कैनाल बनाई जा रही है जिसमें नहर के किनारों पर प्रस्तावित 10 नंबर पंप हाउसों द्वारा नहर का पानी उठाया जाएगा। नहर का ऑफ टेकिंग लेवल 358.00 मीटर और कैनाल ग्रेडिएंट 1:9000 निर्धारित किया गया है। नहर 31 गांव से होकर गुजरती है जिसमे 246.13 हेक्टेयर निजी भूमि व 19.90 हेक्टेयर वन विभाग की भूमि सम्मिलित है।